सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

हिंदी सलाहकार समिति
की बैठक

दिनांक : 31 अगस्त, 2017

समय : अपराह्न 12.30 बजे

स्थान : बेंक्वेट हॉल, तीसरी मंजिल,
डिप्लोमेटिक इन्कलेव, होटल अशोक,
नई दिल्ली

विद्युत मंत्रालय हिंदी सलाहकार समिति की बैठक

विषय-सूची

क्रम सं.	विषय/मद	पृष्ठ सं.
1.	विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 18 जनवरी, 2017 को हुई बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि	1-5
2.	विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 18 जनवरी, 2017 को हुई बैठक की अनुवर्ती कार्रवाई	6-8
3.	श्री गोपाल कृष्ण फरलिया, सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति के मुख्य सुझावों पर मंत्रालय की टिप्पणी	9
4.	विद्युत मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन उपक्रमों/कार्यालयों की तिमाही प्रगति रिपोर्टों के मद-वार अनुबंध	
(i)	30 जून, 2017 के अनुसार राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का अनुपालन - **अनुबंध -1**	10
(ii)	30 जून, 2017 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों एवं उनके उत्तरों की स्थिति - **अनुबंध - 2**	11
(iii)	30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'क' क्षेत्र से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाने की स्थिति (क एवं ख क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए) -- **अनुबंध -3क**	12
(iv)	30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ख' क्षेत्र से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाने की स्थिति (क एवं ख क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए) -- **अनुबंध -3ख**	13
(v)	30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान **'क'** क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण - **अनुबंध - 4**	14
(vi)	30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान **'ख'** क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण - **अनुबंध -5**	15
(vii)	30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान **'ग'** क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण - **अनुबंध -6**	16
(viii)	30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान फाइलों/दस्तावेजों पर लिखी गई टिप्पणियां - **अनुबंध -7**	17
(ix)	30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान हिंदी कार्यशालाओं की स्थिति - **अनुबंध -8**	18
(x)	30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों के बारे में स्थिति - **अनुबंध -9**	19
(xi)	तिमाही के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्य/उपलब्धियां - **अनुबंध -10**	20-23
(xii)	नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचना की स्थिति - **अनुबंध -11**	24
(xiii)	अधिकारियों/कर्मचारियों के राजभाषा ज्ञान के बारे में स्थिति दर्शाने वाला विवरण - **अनुबंध -12**	25
(xiv)	आशुलिपिकों के बारे में स्थिति- **अनुबंध -13**	26

(xv)	टाइपिस्टों/लिपिकों के बारे में स्थिति - **अनुबंध -14**	27
(xvi)	अनुवाद का ज्ञान - **अनुबंध -15**	28
(xvii)	कंप्यूटर प्रशिक्षण की स्थिति- **अनुबंध -16**	29
(xviii)	कंप्यूटर/ लैपटॉप/सिस्टम आदि से संबंधित जानकारी - **अनुबंध -17**	30
(xix)	कोड/मैनुअल आदि के बारे में स्थिति - **अनुबंध -18**	31
(xx)	अनुभागों को नियम 8(4) के अधीन विनिर्दिष्ट करने के संबंध में स्थिति - **अनुबंध -19**	32
(xxi)	वर्ष 2016-17 के दौरान राजभाषा संबंधी निरीक्षणों की स्थिति - **अनुबंध -20**	33
(xxii)	पत्रिकाओं/अन्य प्रकाशन के बारे में स्थिति - **अनुबंध -21**	34
(xxiii)	वर्ष 2016-17 के दौरान पुस्तकालय द्वारा हिंदी पुस्तकों की खरीद के संबंध में स्थिति - **अनुबंध -22**	35
(xxiv)	उप सचिव/ समकक्ष एवं उनसे उच्च स्तर के अधिकारियों द्वारा हिंदी में कार्य - **अनुबंध - 23**	36
(xxv)	विद्युत मंत्रालय तथा उसके अधीनस्थ उपक्रमों में हिंदी पदों की स्थिति - **अनुबंध - 24**	37
(xxvi)	वेबसाइट का द्विभाषीकरण और उस पर हिंदी में उपलब्ध कराई गई जानकारी - **अनुबंध - 25**	38

ध्यान दीजिए : अनुबंध-11 से अनुबंध-25 में मार्च, 2017 को समाप्त तिमाही के आंकड़े दिए गए हैं क्योंकि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार, उक्त आंकड़े केवल मार्च में समाप्त तिमाही में ही संकलित किए जाते हैं।

माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल जी की अध्यक्षता में दिनांक 18 जनवरी, 2017 को संपन्न हुई विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक का कार्यवृत्त

*****

विद्युत मंत्रालय की पुनर्गठित हिंदी सलाहकार समिति की पहली बैठक माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल जी की अध्यक्षता में दिनांक 18 जनवरी, 2017 को नई दिल्ली में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों की सूची **परिशिष्ट** में दी गई है।

2. सर्वप्रथम माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से समिति की सदस्य-सचिव संयुक्त सचिव (प्रशा.) ने बैठक में आए हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया और समिति की पहली बैठक आयोजित करने एवं अपना बहुमूल्य समय देने के लिए माननीय विद्युत मंत्री जी का आभार व्यक्त किया ।

3. तदनंतर सचिव (विद्युत) ने भी सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए विद्युत मंत्रालय एवं उसके नियंत्रणाधीन संगठनों में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग और संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में की जा रही प्रगति से सभी सदस्यों को अवगत कराया। सचिव (विद्युत) ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि विद्युत मंत्रालय के कुछ संगठन राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में अपने उत्कृष्ट निष्पादन के लिए माननीय राष्ट्रपति महोदय से निरंतर पुरस्कार प्राप्त करते आ रहे हैं। विद्युत मंत्रालय के तत्वावधान में एनटीपीसी द्वारा एक राजभाषा शील्ड योजना चलाई जाती है जिसके अंतर्गत राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में शील्ड प्रदान की जाती है। सचिव (विद्युत) ने माननीय मंत्री जी को वर्ष 2013-14, 2014-15 तथा 2015-16 के लिए विद्युत मंत्रालय के विभिन्न संगठनों को पुरस्कार प्रदान करने का आग्रह किया जिस पर माननीय विद्युत मंत्री जी ने पुरस्कार विजेता संगठनों को शील्ड एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया और पुरस्कार जीतने वाली कंपनियों को बधाई दी।

4. पुरस्कार वितरण के पश्चात माननीय विद्युत मंत्री जी ने भी बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यद्यपि हिंदी सलाहकार समिति के पुनर्गठन में समय लग गया, तथापि पुनर्गठन के बाद शीघ्र बैठक आयोजित कर दी गई। उन्होंने कहा कि हिंदी भारत संघ की राजभाषा है और इसे प्रोत्साहित करना हमारा सांविधानिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि हमें औपचारिकता से आगे बढ़कर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाकर इसे आगे बढ़ाना है। हम इस सलाहकार समिति के माध्यम से कानूनी व्यवस्था से बढ़कर आम-जन में इसकी रूचि बढ़ाने के बारे में विचार-विमर्श करें तो इससे सभी लाभान्वित होंगे और हमारे प्रयास सार्थक होंगे। माननीय मंत्री जी ने सदस्यों से ऐसे सुझाव देने का अनुरोध किया जो ठोस हों और उनसे लाभ हो तथा मंत्रालय को कार्य करने में भी सुविधा हो जिससे हम हिंदी को प्रभावी रूप से बढ़ा सकें। इस प्रकार से यदि हम विचार करेंगे तो सही मायने में हिंदी सलाहकार समिति का लाभ होगा और उसमें अधिकारियों को भी कोई बोझ नहीं दिखेगा। सिर्फ खानापूर्ति के लिए हिंदी में काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कंपनियां हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए कार्य करती रहें। हिंदी को सिर्फ कागजी कार्रवाई न बनाकर दिल से करें एवं देखें कि किस-किस क्षेत्र में इसका अधिकाधिक प्रयोग लाभदायी हो सकता है। हिंदी अनुवाद में शब्द आसान हों और अनुवाद ऐसा न हो कि शब्द समझ में ही न आए। मंत्रालय

के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी उन्होंने हिंदी में अधिकाधिक काम करने के लिए आग्रह किया और सभी सदस्यों से अपने सुझाव देने का अनुरोध किया।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम/कार्यालय)

5. सर्वप्रथम **श्री महेश पोद्दार, माननीय सांसद (राज्य सभा)** ने समिति के गठन के लिए माननीय मंत्री जी तथा अधिकारीगण को धन्यवाद दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि बिजली के बिल हिंदी अथवा स्थानीय भाषा में भेजे जाएं तथा बिजली कंपनियों द्वारा पत्राचार भी हिंदी अथवा स्थानीय भाषा में ही किया जाए। देहातों में खुल रहे इंजीनियरिंग कालेज हिंदी के तकनीकी शब्दों का प्रयोग करें। आमतौर पर प्रयोग में आ गए एलईडी जैसे अंग्रेजी के शब्दों को हमें उसी रूप में अपना लेना चाहिए।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय)

6. **श्री विनीत कुमार चौहान** ने सुझाव दिया कि हिंदी जन सामान्य की भाषा है तथा संघ की राजभाषा भी है और हिंदी काव्य गोष्ठी, सम्मेलन आदि जन सामान्य को सरकारी भाषा के करीब लाने में काफी योगदान कर सकते हैं। इसलिए उन्होंने सुझाव दिया कि मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों द्वारा अपने कार्यालयों में नियमित रूप से इस प्रकार की कविता, कव्वाली एवं काव्य गोष्ठियां आयोजित की जाएं।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम/कार्यालय)

7. **श्री अमलेश्वर चतुर्वेदी** ने कहा कि हिंदी का प्रयोग करते समय हमें हिंदी के आसान शब्दों का चुनाव करना चाहिए। तथापि, विभिन्न कारणों से प्रयोग नहीं किए जा रहे सामान्य शब्दों को भी हम कठिन मानने लगते हैं। यदि हिंदी के कठिन माने जाने वाले शब्दों का भी लगातार प्रयोग किया जाएगा तो वे कुछ समय बाद सामान्य शब्द बन जाएंगे। अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी को लेकर हीनता का भाव है जबकि वे हिंदी अच्छी बोल लेते हैं परंतु सरकारी कार्य करने में हिंदी का प्रयोग नहीं करते। इसलिए हिंदी में काम करने के लिए अधिकारियों को अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। हिंदी भाषा अपने-आप में बहुत समृद्ध भाषा है, तथापि, जिस प्रकार अंग्रेजी में विभिन्न भाषाओ के शब्दों को अपना लिया जाता है, उसी प्रकार हिंदी में भी दूसरी भाषाओं के शब्दों को अपनाना चाहिए। हिंदी न केवल राजभाषा है बल्कि संस्कृति एवं संस्कार की भाषा भी है।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम/कार्यालय)

8. **श्री गोपालकृष्ण फरलिया** ने विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का गठन किए जाने के एक माह के भीतर ही बैठक बुलाने के लिए माननीय मंत्री जी को धन्यवाद दिया और सुझाव दिया कि अगली बैठक जल्द ही आयोजित की जाए। माननीय प्रधानमंत्री जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी में भाषण दिया था, इसका जिक्र भी किया। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें अपने रोजमर्रा के कार्यों में भी हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। उपलब्ध कराए गए आंकड़ों की लक्ष्य से तुलना और समीक्षा की जानी चाहिए। कुछ लक्ष्य अब तक प्राप्त कर लिए जाने चाहिए थे। अधिकारियों को अपने ई-मेल के पते हिंदी में बनाने चाहिए। विद्युत मत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 24 मई, 2013

को हुई पिछली बैठक के कार्यवृत्त का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े उपक्रमों की आवासीय कॉलोनियों में पुस्तकालय बनाए जाएं जिससे बच्चों में अध्ययन के प्रति अधिक रूचि जागृत हो। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बड़े उपक्रमों में महाप्रबंधक (राजभाषा) का पद सृजित किया जाए। उपक्रमों द्वारा आयोजित की जाने वाली हिंदी कार्यशालाओं और कार्यक्रमों में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों को आमंत्रित किया जाए। कार्यालयों की वेबसाइट द्विभाषी है परंतु वेबसाइट पर कुछ लिंकों में सामग्री अंग्रेजी में ही है।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम/कार्यालय)

9. **डॉ. अहिल्या मिश्र** ने कहा कि 'क' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में हिंदी की स्थिति अच्छी है परंतु 'ख' और 'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में हिंदी की प्रगति अच्छी नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि हिंदी को राज्यों की भाषा के समकक्ष लाया जाए।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम/कार्यालय)

10. **डॉ. पद्माकर पांडे** ने कहा कि हिंदी सलाहकार समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं और सभी सदस्यों को परिचय-पत्र जारी किए जाएं।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय)

11. **श्री महेश भार्गव** ने उपक्रमों एवं कार्यालयों द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों और प्रसिद्ध स्थानीय लोगों को आमंत्रित करने का सुझाव दिया।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम/कार्यालय)

12. **श्री दिव्य ज्योति बरुआ** ने कहा कि हम पूरे देश में हिंदी में योग सिखाते हैं और असम में असमिया एवं हिंदी, दोनों भाषाओं में सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हिंदी के माध्यम से सम्पूर्ण देश में योग फैल गया है, उसी प्रकार अन्य क्षेत्रों में भी हिंदी के प्रयोग में विस्तार किया जा सकता है।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम/कार्यालय)

13. अंत में माननीय मंत्री जी ने कहा कि सभी सदस्यों ने बहुत अच्छे सुझाव दिए हैं और विचारणीय सुझावों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा तथा हिंदी के कार्यक्रम अलग-अलग स्थानों पर करने के लिए निर्देश दिए जाएंगे। रूफटॉप सोलर लगाने तथा उससे बिजली की बचत से संबंधित पॉकेट बुक/नोट बुक चित्रकला के साथ आकर्षक रूप में तैयार करके एवं स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित करके वितरित किया जाना भी उपयुक्त होगा, ताकि बच्चे भी बिजली की बचत के इन तरीकों के प्रति जागरूक हो सकें।

(कार्रवाई: विद्युत मंत्रालय, इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम/कार्यालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय)

14. सदस्य-सचिव द्वारा अध्यक्ष महोदय एवं सभी सदस्यों/अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

******

परिशिष्ट

माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल जी की अध्यक्षता में विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 18 जनवरी, 2017 की बैठक की उपस्थिति सूची

1.	श्री पीयूष गोयल विद्युत, कोयला, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा तथा खान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	**अध्यक्ष**
	गैर-सरकारी सदस्य	
2.	श्री महेश पोद्दार, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
3.	श्री गोपाल कृष्ण फरलिया	सदस्य
4.	डॉ. पदमाकर पाण्डे	सदस्य
5.	डॉ. अहिल्या मिश्र,	सदस्य
6.	श्री दिव्य ज्योति बरुआ	सदस्य
7.	श्री सत्य पाल	सदस्य
8.	श्री विनीत कुमार (चौहान)	सदस्य
9.	श्री अमलेश्वर चतुर्वेदी	सदस्य
10.	डॉ. महेश भार्गव	सदस्य
	सरकारी सदस्य	
11.	श्री प्रदीप कुमार पुजारी, सचिव, विद्युत मंत्रालय	सदस्य
12.	सुश्री शालिनी प्रसाद, अपर सचिव, विद्युत मंत्रालय	सदस्य
13.	डॉ. बिपिन बिहारी, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य
14.	श्री रवीन्द्र कुमार वर्मा, अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण	सदस्य
15.	श्रीमती अंजू भल्ला, संयुक्त सचिव (प्रशासन)	सदस्य-सचिव
	मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रम/कार्यालय	
16.	श्री गुरदीप सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड	सदस्य
17.	श्री आई.एस. झा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावरग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	सदस्य
18.	श्री राजीव शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड	सदस्य
19.	डॉ. पी.वी. रमेश बाबू, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कार्पोरेशन लिमिटेड	सदस्य
20.	श्री के.एम. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी लिमिटेड	सदस्य

21.	श्री रमेश नारायण मिश्र, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन लिमिटेड	सदस्य
22.	श्री डी.वी. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड	सदस्य
23.	श्री आर.के. पाण्डेय, महानिदेशक, राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण प्रतिष्ठान	सदस्य
24.	श्री ए.डब्ल्यू.के. लैंग्स्टे, अध्यक्ष, दामोदर घाटी निगम	सदस्य
25.	श्री विजय कुमार कालरा, सदस्य (विद्युत), भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड	प्रतिनिधि
26.	श्री सत्यव्रत बरगोहाई, निदेशक (कार्मिक), नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कार्पोरेशन लिमिटेड	प्रतिनिधि
27.	श्री कमल किशोर, सहायक प्रमुख (प्रशा.), केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग	प्रतिनिधि
28.	डॉ. सुंदर राजन, अपर निदेशक, केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान	प्रतिनिधि
29.	श्रीमती मीरा शेखर, उप सचिव, विद्युत मंत्रालय एवं सचिव, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो	प्रतिनिधि
30.	डॉ. आर.सी. शर्मा, परामर्शदाता	उपस्थित
31.	श्री भीम सिंह, सहायक निदेशक (रा.भा.)	उपस्थित
32.	श्री सत्यमूर्ति नागेश, सहायक निदेशक (रा.भा.)	उपस्थित

विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 18 जनवरी, 2017 को हुई बैठक की अनुवर्ती कार्रवाई

क्र.सं.	मद	की गई कार्रवाई
1.	हिंदी का प्रयोग करते समय हिंदी के सरल एवं सुबोध शब्दों का चयन करना। हिंदी में काम करने के लिए अधिकारियों को अपनी मानसिकता बदलना। आमतौर पर प्रयोग में आ गए एलईडी जैसे अंग्रेजी के शब्दों को उसी रूप में अपनाना।	हिंदी का प्रयोग करते समय आसान और बोलचाल में प्रचलित शब्दों का प्रयोग किया जाता है। अधिकारियों को सरकारी कामकाज हिंदी में करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से समय-समय पर हिंदी कार्यशालाएं, हिंदी पखवाड़ा तथा संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। आमतौर पर प्रयोग में आ गए एलईडी जैसे अंग्रेजी के शब्दों को हिंदी में भी उसी रूप में अपनाया जा रहा है।
2.	अधिकारियों द्वारा अपने ई-मेल के पते हिंदी में बनाना।	सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा ई-मेल हिंदी में ही भेजे जा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा भेजे जाने वाले ई-मेल में नाम, पदनाम आदि द्विभाषी/हिंदी में हैं।
3.	'ख' और 'ग' क्षेत्रों में हिंदी पत्राचार की स्थिति में सुधार करना।	'ख' और 'ग' क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों ने निर्धारित लक्ष्या प्राप्त कर लिया है।
4.	हिंदी के कार्यक्रम अलग-अलग स्थानों पर आयोजित करना।	मंत्रालय के उपक्रमों द्वारा हिंदी कार्यशालाएं, सम्मेलन आदि अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जाते हैं।
5.	विद्युत मत्रालय के बड़े उपक्रमों की आवासीय कॉलोनियों में पुस्तकालय बनाना ताकि बच्चों में अध्ययन के प्रति अधिक रूचि जागृत हो।	कुछ बड़े उपक्रमों की आवासीय कॉलोनियों में पुस्तकालय बनाए गए हैं तथा जिन उपक्रमों की आवासीय कॉलोनियों में पुस्तकालय नहीं बनाए गए हैं, उनके निवासियों को कार्यालय के पुस्तकालय में पुस्तकें पढ़ने तथा जारी करवाने की अनुमति दी गई है।
6.	बड़े उपक्रमों में महाप्रबंधक (राजभाषा) का पद सृजित करना।	विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन बड़े उपक्रमों को निदेश दिए गए हैं कि अपने उपक्रम में महाप्रबंधक (राजभाषा) का पद सृजित करें।

7.	उपक्रमों द्वारा आयोजित की जाने वाली हिंदी कार्यशालाओं और कार्यक्रमों में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों और हिंदी के प्रसिद्ध स्थानीय विद्वानों को आमंत्रित करना।	उपक्रमों द्वारा आयोजित की जाने वाली हिंदी कार्यशालाओं और कार्यक्रमों में हिंदी के स्थानीय विद्वानों को आमंत्रित किया जाता है। उपक्रमों द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों को भी आमंत्रित किया जाता है।
8.	हिंदी सलाहकार समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित किया जाना।	हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 18 जनवरी, 2017 को हुई बैठक के लगभग 7 माह के बाद ही 31 अगस्त, 2017 को बैठक आयोजित की जा रही है और भविष्य में बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने का प्रयास रहेगा।
9.	हिंदी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को परिचय पत्र जारी करना।	राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की केंद्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 36वीं बैठक में निर्णय लिया गया था कि हिंदी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को पहचान-पत्र, विजिटिंग कार्ड आदि जारी नहीं किए जाएं। इस संबंध में सदस्यों को सूचित कर दिया गया है।
10.	हिंदी वेबसाइट में उपलब्ध अंग्रेजी लिंकों की सामग्री का हिंदी में अनुवाद करवाना।	हिंदी वेबसाइट में उपलब्ध अंग्रेजी लिंकों की सामग्री को समय-समय पर हिंदी वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है।
11.	मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों द्वारा अपने कार्यालयों में नियमित रूप से कविता, कव्वाली एवं काव्य गोष्ठियां आयोजित करना।	मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों द्वारा अपने कार्यालयों में समय-समय पर हिंदी कार्यशालाएं, काव्य गोष्ठियां और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
12.	मंत्रालय के उपक्रमों/कार्यालयों द्वारा प्रकाशित की जानी वाली हिंदी गृह पत्रिकाओं की प्रति समिति के माननीय गैर-सरकारी सदस्यों को नियमित रूप से भेजना।	मंत्रालय के उपक्रमों/कार्यालयों द्वारा प्रकाशित की जानी वाली हिंदी गृह पत्रिकाएं समिति के माननीय गैर-सरकारी सदस्यों को भेजी जा रही हैं।

13.	'बिजली के बिल हिंदी अथवा स्थानीय भाषा में भेजा जाना तथा बिजली कंपनियों द्वारा पत्राचार भी हिंदी अथवा स्थानीय भाषा में ही किया जाना।	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग ने अपने 02 मई, 2017 के पत्र के तहत इस संबंध में बिजली कंपनियों को सुझाव दे दिया है।
14.	रूफटॉप सोलर लगाने तथा उससे बिजली की बचत से संबंधित पॉकेट बुक/नोट बुक चित्रकला के साथ आकर्षक रूप में तैयार करके एवं स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित करके वितरित किया जाना उपयुक्त होगा, ताकि बच्चे भी बिजली की बचत के इन तरीकों के प्रति जागरूक हो सकें'	बिजली की बचत के प्रति बच्चों को जागरूक करने के लिए प्रति वर्ष राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। चित्रकला प्रतियोगिता 2016 में लगभग 1 लाख 75 हजार स्कूलों के 1 करोड़ 14 लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा स्कूली छात्रों के बीच बिजली की बचत के प्रति जागरूकता लाने के लिए सौर रूफटॉप की चित्रमय पॉकेट बुक तैयार करने सभी राज्य नोडल एजेंसियों के प्रमुखों को अनुरोध किया गया है।
15.	'देहातों में खुल रहे इंजीनियरिंग कालेजों में हिंदी के तकनीकी शब्दों का प्रयोग करना।	इस विषय पर आवश्यक कार्रवाई के लिए सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय को दिनांक 06 फरवरी, 2017 को पत्र लिखा गया है तथा दिनांक 31 मार्च, 2017 और 17 जुलाई, 2017 को अनुस्मारक भेजे गए हैं।

श्री गोपाल कृष्ण फरलिया, सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति के मुख्य सुझावों पर मंत्रालय की टिप्पणी

क्र.सं.	दिया गया सुझाव	मंत्रालय की टिप्पणी
1.	भविष्य में विवरण देते समय उसकी तुलना वार्षिक कार्यक्रम से अवश्य की जाए जिससे सबको ज्ञात हो कि हम लक्ष्य से कितने दूर हैं।	कार्यसूची में सभी अनुबंधों में वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य का उल्लेख कर दिया गया है।
2.	दैनिक प्रयोग में आने वाले फॉर्म आदि हिंदी में ही उपलब्ध होने चाहिए।	मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रमों/कार्यालयों में प्रयोग में आने वाले सभी फॉर्म द्विभाषी/हिंदी में उपलब्ध हैं।
3.	बड़े संगठनों की आवास कॉलोनियों में पुस्तकालय खोलना।	अनुवर्ती कार्रवाई रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है।
4.	सभी सदस्यों को पहचान पत्र जारी करवाना।	अनुवर्ती कार्रवाई रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है।
5.	कार्यसूची/कार्यवृत्त वेबसाइट उपलब्ध करवाना।	हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 18 जनवरी, 2017 को हुई बैठक का कार्यवृत्त तथा दिनांक 31 अगस्त, 2017 की बैठक की कार्यसूची मंत्रालय की हिंदी वेबसाइट पर 'तत्काल लिंक' के अंतर्गत 'राजभाषा गतिविधियां' लिंक पर उपलब्ध है।
6.	सभी उपक्रमों में प्रेक्षक नियुक्त करना।	मंत्रालय के अधिकारी दिल्ली स्थित उपक्रमों/ कार्यालयों के मुख्यालयों की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में प्रेक्षक के रूप में समय-समय पर भाग लेते हैं।

अनुबंध – 1

30 जून, 2017 के अनुसार राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का अनुपालन

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	धारा 3(3) के अधीन जारी किए गए कागजात	द्विभाषी रूप में जारी कागजात की संख्या	केवल अंग्रेजी में जारी किए गए कागजात
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य-100% द्विभाषी**		
1.	विद्युत मंत्रालय	141	141	**शून्य**
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	30	30	**शून्य**
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	40	40	**शून्य**
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	28	28	**शून्य**
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	349	349	**शून्य**
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	649	649	**शून्य**
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	294	294	**शून्य**
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	45	45	**शून्य**
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	180	180	**शून्य**
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	53	53	**शून्य**
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	318	318	**शून्य**
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	12	12	**शून्य**
	'ख' क्षेत्र में स्थित			
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	78	78	**शून्य**
	'ग' क्षेत्र में स्थित			
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	675	675	**शून्य**
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	310	310	**शून्य**
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	287	287	**शून्य**

30 जून, 2017 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों एवं उनके उत्तरों की स्थिति (राजभाषा नियम-5)

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	हिंदी में प्राप्त पत्रों की कुल संख्या	इनमें से कितनों के उत्तर हिंदी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर दिए जाने अपेक्षित नहीं थे
1	2	3	4	5	6
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य - 100% उत्तर हिंदी में ही देना**			
1.	विद्युत मंत्रालय	688	286	शून्य	402
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	4992	3268	शून्य	1724
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	52	25	शून्य	27
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	125	90	शून्य	35
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	860	712	शून्य	88
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	6540	4582	शून्य	1958
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1433	1330	शून्य	103
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	85	51	शून्य	34
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	465	313	शून्य	152
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	3896	2895	शून्य	1001
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	3239	3011	शून्य	228
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	19	17	शून्य	2
	'ख' क्षेत्र में स्थित				
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	3822	2538	शून्य	1284
	'ग' क्षेत्र में स्थित				
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	362	254	शून्य	108
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	69	43	शून्य	26
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	453	249	शून्य	204

30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'क' क्षेत्र से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाने की स्थिति (क एवं ख क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए)

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	क क्षेत्र से			
		अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों की सख्या	इनमें से कितनों के उत्तर हिंदी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर दिए जाने अपेक्षित नहीं थे
1	2	3	4	5	6
	'क' क्षेत्र में स्थित				
1.	विद्युत मंत्रालय	2857	350	1751	756
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	10059	5646	1255	3158
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	560	57	0	503
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	180	137	15	28
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	156	48	0	108
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	4677	2826	0	1851
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	4496	3989	445	62
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	589	359	92	138
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	961	555	206	200
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	3426	1701	444	1281
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	927	835	81	11
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	1645	759	754	132
	'ख' क्षेत्र में स्थित				
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	821	552	70	199
	'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए लागू नहीं				
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	-	-	-	-
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	-	-	-	-
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	-	-	-	-

30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ख' क्षेत्र से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाने की स्थिति (क एवं ख क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए)

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	'ख' क्षेत्र से			
		अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों की सख्या	इनमें से कितनों के उत्तर हिंदी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गए	इनमें से कितने पत्रों के उत्तर दिए जाने अपेक्षित नहीं थे
1	2	3	4	5	6
	'क' क्षेत्र में स्थित				
1.	विद्युत मंत्रालय	1232	119	690	423
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	914	430	116	368
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	255	39	0	216
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	125	79	26	20
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	0	0	0	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	855	517	0	338
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1126	859	228	39
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	134	63	15	56
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	277	209	50	18
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	45	45	0	0
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	71	68	03	0
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	1073	515	503	55
	'ख' क्षेत्र में स्थित				
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	3452	2618	171	663
	'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए लागू नहीं				
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	-	-	-	-
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	-	-	-	-
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	-	-	-	-

30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'क' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	भेजे गए पत्र		भेजे गए पत्रों की कुल संख्या
		हिंदी में	अंग्रेजी में	
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य- 100%**		
1.	विद्युत मंत्रालय	1833	1081	2914
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	14991	1884	16875
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	3690	235	3925
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	1226	320	1546
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	2100	64	2164
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	16376	1006	17382
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	2419	311	2730
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	6250	345	6595
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	2276	187	2463
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	9683	742	10425
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	11263	562	11825
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	1504	530	2034
	'ख' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य- 90%**		
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	1343	106	1449
	'ग' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य- 55%**		
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	666	399	1065
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	361	200	561
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान बैंगलुरू	5520	301	5821

30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ख' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	भेजे गए पत्र		भेजे गए पत्रों की कुल संख्या
		हिंदी में	अंग्रेजी में	
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य - 100%**		
1.	विद्युत मंत्रालय	640	385	1025
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	1466	211	1677
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	795	175	970
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	672	168	840
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	187	7	194
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	335	29	364
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	2598	447	3045
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	410	100	510
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	728	159	887
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	54	0	54
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	116	12	128
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	957	390	1347
	'ख' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य - 90%**		
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	8951	339	9290
	'ग' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य - 55%**		
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	3	2	5
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	45	20	65
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	2569	100	2669

30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 'ग' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	भेजे गए पत्र		भेजे गए पत्रों की कुल संख्या
		हिंदी में	अंग्रेजी में	
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य- 65%**		
1.	विद्युत मंत्रालय	176	128	304
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	1976	475	2451
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	425	168	593
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	460	279	739
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	193	7	200
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1966	217	2183
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1556	470	2026
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	672	180	852
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	1495	687	2182
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	57	0	57
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	19	3	22
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	120	94	214
	'ख' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य - 55%**		
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	11	0	11
	'ग' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य - 55%**		
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	851	548	1399
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	376	220	596
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	1556	246	1802

30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान फाइलों/दस्तावेजों पर लिखी गई टिप्पणियां

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	हिंदी में लिखी गई टिप्पणियों के पृष्ठों की सं.	अंग्रेजी में लिखी गई टिप्पणियों के पृष्ठों की सं.	कुल टिप्पणियों के पृष्ठों की सं.
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित		**लक्ष्य- 75%**	
1.	विद्युत मंत्रालय	1277	2526	3803
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	3129	1237	4366
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	940	180	1120
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	275	115	390
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	863	26	889
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	2782	318	3100
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	617	104	721
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	1565	752	2317
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	1289	822	2111
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	1027	233	1260
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	521	92	613
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	528	352	880
	'ख' क्षेत्र में स्थित		**लक्ष्य - 50%**	
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	3683	504	4187
	'ग' क्षेत्र में स्थित		**लक्ष्य - 30%**	
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	1172	2293	3465
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	59	118	177
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	209	17	226

अनुबंध –8

30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही में आयोजित हिंदी कार्यशालाओं की स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	तिमाही के दौरान पूर्ण दिवसीय आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	इनमें प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	
			अधिकारी	कर्मचारी
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य- कम से कम एक**		
1.	विद्युत मंत्रालय	1	17	15
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	1	39	24
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	2	6	12
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	1	7	13
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	3	157	41
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	10	226	21
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	4	71	66
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	6	94	21
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	1	28	13
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	3	27	45
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	1	0	32
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	1	2	22
	'ख' क्षेत्र में स्थित			
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	1	0	23
	'ग' क्षेत्र में स्थित			
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	2	37	60
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	1	3	9
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	7	48	106

30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	बैठक की तिथि (केंद्रीय प्रधान कार्यालय की)	अधीनस्थ कार्यालयों में गठित रा.भा.का. समितियों की सं.	इस तिमाही में आयोजित बैठकों की सं.	क्या बैठकों से संबंधित कार्यसूची और कार्यवृत्त हिंदी में जारी किए गए?
1	2	3	4	5	6
	'क' क्षेत्र में स्थित	लक्ष्य- प्रत्येक तिमाही में एक			
1.	विद्युत मंत्रालय	28.06.2017	15	15	हां
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	27.04.2017	14	14	हां
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	24.05.2017	लागू नहीं	लागू नहीं	हां
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	16.6.2017	7	7	हां
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	26.6.2017	35	35	हां
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	22.6.2017	34	34	हां
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	31.5.2017	10	10	हां
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	27.6.2017	2	2	हां
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	24.5.2017	19	19	हां
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	19.5.2017	9	9	हां
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	21.6.2017	4	4	हां
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	30.6.2017	-	-	हां
	'ख' क्षेत्र में स्थित				
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	12.7.2017	7	7	हां
	'ग' क्षेत्र में स्थित				
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	7.6.2017	10	10	हां
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	28.6.2017	11	11	हां
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	28.06.2017	-	-	हां

अनुबंध - 10

तिमाही के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्य/उपलब्धियां

विद्युत मंत्रालय

- वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा प्रकाशित प्रशासनिक शब्दावली की प्रतियां सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वितरित की गई तथा मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा ई-मेल में अपना नाम, पदनाम, मंत्रालय का नाम, दूरभाष आदि हिंदी/द्विभाषी में भेजा जा रहा है।

- हिंदी पत्राचार में वृद्धि करने के उपाय के रूप में मंत्रालय द्वारा तैयार की गई राजभाषा हिंदी सहायक लघु पत्रिका, राजभाषा संक्षिप्त जानकारी तथा हिंदी पत्रों के नमूने मंत्रालय की ई-ऑफिस वेबसाइट पर हेल्प-डेस्क शीर्ष में अपलोड किए गए।

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

- विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा हस्ताक्षरितलेमिनेटिड बोर्ड बनवाकर सभी वरिष्ठ अधिकारियों के कक्ष में लगवाए गए ताकि राजभाषा हिंदी के लिए कार्यालय में सकारात्मक माहौल बनाया जा सकें तथा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की अपेक्षानुसार राजभाषा हिंदी को आगे बढ़ाया जा सके।

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

- केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग की वेबसाइट (अंग्रेजी/हिंदी) को समय-समय पर अद्यतन कर त्रुटियों को ठीक किया गया।
- "सौदामिनी" तिमाही पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है, रूटीन पत्र/मॉडल पत्र बनाए गए हैं।
- "आज का विचार" नियमित रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है।
- दिनांक 13 जून, 2017 को "आशुभाषण प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस- 21 जून, 2017 के उपलक्ष्य में दिनांक 21 जून, 2017 को योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एनटीपीसी

- 8-10 जून, 2017 को राजभाषा अधिकारियों/प्रभारियों का वार्षिक सम्मेलन।
- राजभाषा कार्यान्वयन हेतु निदेशक (मानव संसाधन) महोदय की ओर से जांच-बिंदु जारी किए गए।
- विद्युत स्वर हिंदी पत्रिका के 31 वें अंक का प्रकाशन किया गया।

आरईसी

- मुख्यालय की राजभाषा पत्रिका 'ऊर्जायन' के तृतीय अंक (जनवरी-जून,2017) का प्रकाशन किया गया ।

पीएफसी

- दिनांक 11-14 मई, 2017 को ऊटी में एक 'राजभाषा सम्मेलन' का आयोजन किया गया जिसमें उपमहाप्रबंधक से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक स्तर तक के 32 अधिकारियों ने भाग लिया।

- दिनांक 18.04.2017 को चम्पारन सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त संगोष्ठी में 15 संभागियों ने भाग लिया।

- 21 जून, 2017 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर निगम में योग संबंधी संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें योग संबंधी विषय पर हिंदी में चर्चा की गई। इस संगोष्ठी में 101 कार्मिकों ने भाग लिया।

- 'ऊर्जा दीप्ति' के अंक का प्रकाशन।

टीएचडीसी

- दि. 09.05.2017 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के टीईएस स्कूल ऋषिकेश के 10 एवं 11 वीं के बच्चों हेतु हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

- अप्रैल, 2017 में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की अध्यक्षता मुख्यालय, ऋषिकेश के निदेशक (कार्मिक) श्री एस.के. बिस्वास को सौंपी गई तथा नराकास, हरिद्वार की संपूर्ण गतिविधियों जैसे नराकास सदस्यों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन करना, हिंदी अधिकारियों के लिए समन्वयकर्ता सम्मेलन आयोजित करना, हिंदी कार्यशालाओं को आयोजन करना तथा नराकास की बैठकें आयोजित करना आदि मुख्यालय ऋषिकेश कार्यालय द्वारा संचालित की जा रही है।

एनएचपीसी

- इस अवधि के दौरान राजभाषा के सतत विकास हेतु निगम मुख्यालय के सभी विभागों में राजभाषा मासिक बैठकों को आयोजन किया गया, जिसके दौरान राजभाषा प्रगति पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

- इस अवधि के दौरान दिनांक 30.05.2017 को निगम मुख्यालय में पदस्थ आई.टी.प्रोफेशनल के लिए "सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी का प्रयोग" विषय पर हिंदी में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

बीईई

- विद्युत मंत्रालय के निदेशानुसार ऊर्जा दक्षता ब्यूरो में दिनांक 18 अप्रैल, 2017 को 11.00 बजे (पूर्वाह्न) चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ब्यूरो के अधिकारियों/कर्मचारियों ने संबंधित विषय पर अपने विचार हिन्दी में अभिव्यक्त किए।

- श्रेष्ठ वक्ताओं को प्रथम पुरस्कार (1500/- रुपए), द्वितीय पुरस्कार (1000/- रुपए) और तृतीय पुरस्कार (750/-रुपए) से सम्मानित किया गया।

डीवीसी

- इस तिमाही के दौरान 13.04.2017 को निगम मुख्यालय पदस्थापित कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला के दौरान उन्हें राजभाषा नीति व हिन्दी लिखने की झिझक को दूर करने, कंप्यूटर में यूनिकोड के माध्यम से हिन्दी में टंकण करने पर अभ्यास कराया गया। कार्यशाला में 52 प्रतिभागी थे।

- साथ ही, इस तिमाही के दौरान 07.06.2017 को निगम मुख्यालय के अति वरिष्ठ अधिकारियों व क्षेत्रीय प्रतिष्ठानों के परियोजना प्रधानों एवं राजभाषा अधिकारियों/ कर्मचारियों हेतु एक राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था- तकनीकी युग में राजभाषा हिंदी की दशा व दिशा। उक्त संगोष्ठी में कुल 45 अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

एनपीटीआई

- चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के स्मरण उत्सव पर दिनांक 18.04.2017 को हिंदी में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम/नाटक का आयोजन किया गया।

एसजेवीएन

- कारपोरेट कार्यालय, शिमला में दिनांक 19.04.2017 को "चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रम" का आयोजन।
- कारपोरेट कार्यालय, शिमला में दिनांक 16.05.2017 को "पं. दीन दयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी समारोह" का आयोजन।
- कारपोरेट कार्यालय, शिमला में दिनांक 16.05.2017 को "पं. दीन दयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी अवसर पर निबंध प्रतियोगिता" का आयोजन ।
- रामपुर जलविद्युत स्टेशन, बायल एवं झाकड़ी में दिनांक 24.05.2017 को "प्रश्न-मंच" का आयोजन।
- कारपोरेट कार्यालय, शिमला में तिमाही के दौरान अधिकतम पत्राचार करने वाले विभाग/अनुभाग को "विभागीय चल वैजयंती राजभाषा शील्ड" प्रदान करने के परिप्रेक्ष्य में समीक्षाधीन तिमाही के दौरान स्थापना-II अनुभाग को यह शील्ड प्रदान की गई।

पावर ग्रिड

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए :

- राष्ट्रनिर्माण तथा राष्ट्र सम्मान में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के अतुलनीय योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- 02 मई, 2017 को आशुभाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 04 मई, 2017 को 'दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के विविध पक्ष' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 22 मई, 2017 को बहुविषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- 22 मई, 2017 को केन्द्रीय कार्यालय में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) की अध्यक्षता में सभी विभागों के राजभाषा नोडल अधिकारियों की बैठक-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया।

नीपको

- **नीपको वेबसाइट का अद्यतन:** नीपको वेबसाइट की अंग्रेजी सामग्री का हिंदी अनुवाद कार्य पूरा कर लिया गया है और इसकी सॉफ्ट कॉपी आई टी विभाग को वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए उपलब्ध करा दी गई है।

- **राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक** : दिनांक 29.06.2017 को निगम के नियंत्रणाधीन परियोजनाओं/संयंत्रों/कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी स्थिति का जायजा लेने हेतु कारपोरेट कार्यालय, शिलांग की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष की अध्यक्षता में निगम के नियंत्रणाधीन परियोजनाओं/संयंत्रों/कार्यालयों के मानव संसाधन प्रमुखों और हिंदी अधिकारी/सहायक हिंदी अधिकारी/हिंदी कार्मिकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। समीक्षा बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष ने निगम के नियंत्रणाधीन परियोजनाओं/संयंत्रों/कार्यालयों से उपस्थित सभी मानव संसाधन प्रमुखों एवं हिंदी कार्मिकों से कार्य की प्रगति पर चर्चा की।

31 मार्च, 2017 के अनुसार, नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित कार्यालय

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	क्या कार्यालय राजभाषा नियम 10(4) के तहत राजपत्र में अधिसूचित है ?	नियंत्रणाधीन कार्यालयों की कुल संख्या	राजभाषा नियम 10(4) के तहत अधिसूचित नियंत्रणाधीन कार्यालयों की संख्या
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित			
1.	विद्युत मंत्रालय	जी हाँ	15	14
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	जी हाँ	14	12
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	जी हाँ	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	जी हाँ	9	3
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	जी हां	35	29
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	जी हाँ	33	28
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	जी हाँ	230	175
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	जी हाँ	2	2
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	जी हाँ	22	18
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	जी हाँ	9	6
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	जी हाँ	4	3
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	जी हाँ	शून्य	शून्य
	'ख' क्षेत्र में स्थित			
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	जी हां	7	7
	'ग' क्षेत्र में स्थित			
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	जी हां	9	5
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	जी नहीं	11	2
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	जी हां	7	5

अनुबंध -12

31 मार्च, 2017 के अनुसार, अधिकारियों/कर्मचारियों के राजभाषा ज्ञान के बारे में स्थिति दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	अधिकारी					कर्मचारी				
		कुल सं.	कार्य साधक ज्ञान रखने वाले	हिंदी में प्रवीणता प्राप्त	प्रशिक्षण अधीन	प्रशिक्षण के लिए शेष	कुल सं.	कार्य साधक ज्ञान रखने वाले	हिंदी में प्रवीणता प्राप्त	प्रशिक्षण अधीन	प्रशिक्षण के लिए शेष
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	'क' क्षेत्र में स्थित	लक्ष्य- 100%									
1.	विद्युत मंत्रालय	96	35	60	0	1	190	70	115	0	5
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	318	163	155	0	0	191	95	96	0	0
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	52	20	32	0	0	15	5	10	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	36	9	27	0	0	17	02	15	0	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	1718	1531	187	0	0	324	134	190	0	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1256	289	965	03	0	144	16	128	0	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	916	390	524	02	0	208	59	149	0	0
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	383	186	197	0	0	110	27	83	0	0
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	278	128	149	0	1	19	8	11	0	0
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	280	182	98	0	0	205	179	26	0	0
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	314	20	294	0	0	178	11	167	0	0
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	2	2	0	0	0	18	14	4	0	0
	'ख' क्षेत्र में स्थित										
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	57	9	48	0	0	168	56	112	0	0
	'ग' क्षेत्र में स्थित										
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	270	205	65	0	0	402	312	90	0	0
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	222	173	29	16	04	131	80	27	14	10
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	215	196	19	0	0	218	186	32	0	0

अनुबंध –13

31 मार्च, 2017 के अनुसार, आशुलिपिकों की हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल संख्या	हिंदी में प्रशिक्षित	हिंदी में काम करने वालों की संख्या	प्रशिक्षण के लिए शेष
1	2	3	4	5	6
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य- 100%**			
1.	विद्युत मंत्रालय	17	6	6	11
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	33	26	27	6
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	1	1	1	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	7	7	7	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	0	0	0	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	139	139	139	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	49	49	49	0
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	47	47	47	0
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	0	0	0	0
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	46	46	46	0
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	12	12	12	0
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	4	3	3	1
	'ख' क्षेत्र में स्थित				
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	13	13	13	0
	'ग' क्षेत्र में स्थित				
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	55	55	55	0
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	21	18	3	3
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	11	11	11	0

31 मार्च, 2017 के अनुसार, टाइपिस्टों/लिपिकों/डाटा एंट्री आपरेटर के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल संख्या	हिंदी में प्रशिक्षित	हिंदी में काम करने वालों की संख्या	प्रशिक्षण के लिए शेष
1	2	3	4	5	6
	'क' क्षेत्र में स्थित	लक्ष्य- 100%			
1.	विद्युत मंत्रालय	20	20	20	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	29	22	24	3
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	1	1	1	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	0	0	0	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	0	0	0	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	87	87	87	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	0	0	0	0
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	0	0	0	0
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	3	3	3	0
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	0	0	0	0
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	45	45	45	0
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	0	0	0	0
	'ख' क्षेत्र में स्थित				
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	51	47	47	4
	'ग' क्षेत्र में स्थित				
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	33	33	33	0
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	23	08	05	15
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	4	4	4	0

31 मार्च, 2017 के अनुसार अनुवाद का ज्ञान

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल अधिकारी/ कर्मचारी जो अनुवाद कार्य करते हैं	कालम 3 में से अनुवाद संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारी/कर्मचारी	अनुवाद प्रशिक्षण के लिए शेष अधिकारी/कर्मचारी
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित			
1.	विद्युत मंत्रालय	6	2	4
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	3	2	1
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	0	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	1	0	1
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	4	4	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	9	9	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1124	1124	0
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	3	3	0
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	2	0	2
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	4	4	0
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	4	4	0
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	0	0	0
	'ख' क्षेत्र में स्थित			
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	3	0	3
	'ग' क्षेत्र में स्थित			
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	4	4	0
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	3	0	3
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	4	4	0

31 मार्च, 2017 के अनुसार, कंप्यूटर प्रशिक्षण की स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल अधिकारियों/ कर्मचारियों की संख्या	कंप्यूटर पर हिंदी में प्रशिक्षित अधिकारियों/ कर्मचारियों की संख्या	कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने वाले प्रशिक्षित अधिकारियों/ कर्मचारियों की संख्या
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित			
1.	विद्युत मंत्रालय	286	230	230
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	485	128	301
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	67	15	15
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	53	53	10
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	2042	2042	2042
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1400	1397	1397
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1124	1124	1124
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	493	493	493
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	297	296	297
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	485	445	445
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	492	403	205
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	20	20	03
	'ख' क्षेत्र में स्थित			
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	225	124	101
	'ग' क्षेत्र में स्थित			
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	672	672	672
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	353	48	48
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	433	357	357

31 मार्च, 2017 के अनुसार कंप्यूटर/ लैपटॉप/सिस्टम आदि से संबंधित जानकारी

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल संख्या	द्विभाषी	केवल अंग्रेजी में	यूनिकोड समर्थित
1	2	3	4	5	6
	'क' क्षेत्र में स्थित				
1.	विद्युत मंत्रालय	305	305	0	305
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	459	421	38	379
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	85	85	0	85
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	53	53	0	53
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	2100	2100	0	2100
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1640	1640	0	1640
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	1140	1140	0	1140
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	497	497	0	497
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	394	394	0	394
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	285	285	0	285
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	648	648	0	648
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	62	62	0	62
	'ख' क्षेत्र में स्थित				
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	75	75	0	75
	'ग' क्षेत्र में स्थित				
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	453	453	0	453
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	396	396	0	396
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	505	505	0	505

31 मार्च, 2017 के अनुसार, कोड/मैनुअल आदि के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	अधिनियम, नियम, कार्यालयीन कोड/मैनुअल/प्रक्रिया/ साहित्य आदि		मानक प्रपत्र	
		द्विभाषी/ हिंदी में	केवल अंग्रेजी में	द्विभाषी/ हिंदी में	केवल अंग्रेजी में
1	2	3	4	5	6
	'क' क्षेत्र में स्थित	1	2	3	4
1.	विद्युत मंत्रालय	13	0	28	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	3	3*	7	0
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	0	0	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	32	6	16	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	57	0	12	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	38	0	33	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	55	0	29	0
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	9	0	41	0
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	20	0	52	0
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	9	0	106	0
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	23	0	26	0
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	01	0	07	0
	'ख' क्षेत्र में स्थित				
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	5	0	19	0
	'ग' क्षेत्र में स्थित				
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	24	0	75	0
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	01	0	21	0
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	8	0	65	0

* द्विभाषी किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

31 मार्च, 2017 के अनुसार अनुभागों को नियम 8(4) के अधीन विनिर्दिष्ट करने के संबंध में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल अनुभाग	हिंदी में कार्य करने के लिए विनिर्दिष्ट अनुभागों की संख्या
1	2	3	4
	'क' क्षेत्र में स्थित		
1.	विद्युत मंत्रालय	30	15
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	53	33
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	7	7
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	5	2
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	26	12
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	40	40
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	35	16
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	36	36
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	24	15
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	36	20
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	20	12
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	4	2
	'ख' क्षेत्र में स्थित		
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	12	12
	'ग' क्षेत्र में स्थित		
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	10	5
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	23	07
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	30	7

31 मार्च, 2017 के अनुसार, वर्ष 2016-17 के दौरान राजभाषा संबंधी निरीक्षणों की स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	अनुभागों/ प्रभागों की कुल संख्या	निरीक्षित अनुभागों/ प्रभागों की संख्या	संबंद्ध/ अधीनस्थ कार्यालयों/ निगमों की संख्या	कॉलम 3 में से निरीक्षित कार्यालयों की कुल संख्या
1	2	3	4	5	6
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य- न्यूनतम 25%**			
1.	विद्युत मंत्रालय	30	12	15	9
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	53	15	14	4
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	-	-	-	-
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	5	1	8	4
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	26	16	35	13
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	40	40 (वर्ष में दो बार)	33	33
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	35	35	10	6
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	36	36	2	2
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	24	9	22	6
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	36	36	8	8
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	20	20	4	4
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	4	2	0	0
	'ख' क्षेत्र में स्थित				
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	12	12	7	13*
	'ग' क्षेत्र में स्थित				
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	10	10	10	10
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	23	21	11	4
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	30	6	6	4

*इसमें 6 अधीनस्थ कार्यालय भी शामिल हैं।

31 मार्च, 2017 के अनुसार, पत्रिकाओं/अन्य प्रकाशन के बारे में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	कुल	द्विभाषी/ हिंदी में	केवल अंग्रेजी में
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित			
1.	विद्युत मंत्रालय	0	0	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	0	0	0
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	1	1	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	0	0	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	3	3	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	10	10	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	181	181	0
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	01	01	0
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	01	01	0
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	05	05	0
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	05	05	0
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	0	0	0
	'ख' क्षेत्र में स्थित			
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	06	06	0
	'ग' क्षेत्र में स्थित			
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	6	6	0
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	5	5	0
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	8	8	0

वर्ष 2016-17 के दौरान पुस्तकालय द्वारा हिंदी पुस्तकों की खरीद के संबंध में स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	पुस्तकों की खरीद पर किया गया कुल खर्च	हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया खर्च	कुल खर्च के प्रति हिंदी की पुस्तकों की खरीद पर किए गए खर्च की प्रतिशतता
1	2	3	4	5
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य- 50%**		
1.	विद्युत मंत्रालय	0	0	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	3,99,923	9,662	2.41
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	0	0	0
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	58,766	0	0
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	52,357	52,357	100
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	1,53,543	1,33,950	87
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	4,19,316	2,17,208	51
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	5,040	2,610	52
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	30,741	16,616	54
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	26,200	17,295	66
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	1,02,380	93,004	90
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	0	0	0
	'ख' क्षेत्र में स्थित			
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	56,760	37,800	66
	'ग' क्षेत्र में स्थित			
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	1,00,000	53,000	53
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	77,946	36,521	46
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	15,355	15,355	100

31 मार्च, 2017 के अनुसार, उप सचिव/ समकक्ष एवं उनसे उच्च स्तर के अधिकारियों द्वारा हिंदी में कार्य

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	उप सचिव/ समकक्ष एवं उनसे उच्च स्तर के अधिकारियों की कुल संख्या	कालम 3 में से हिंदी जानने वाले अधिकारियों की संख्या	कॉलम 4 में से हिंदी में कार्य करने वालों की संख्या		
				70% से अधिक	70 से 30% तक	30% से कम
1	2	3	4	5	6	7
	'क' क्षेत्र में स्थित					
1.	विद्युत मंत्रालय	18	18	0	18	0
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	140	136	105	29	5
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	18	18	7	10	1
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	5	5	3	1	1
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	579	579	430	149	0
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	150	150	106	44	0
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	206	206	125	61	20
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	82	82	70	12	0
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	72	72	72	0	0
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	52	52	48	4	0
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	76	76	71	05	0
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	2	2	0	2	0
	'ख' क्षेत्र में स्थित					
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	24	24	20	4	0
	'ग' क्षेत्र में स्थित					
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	166	166	89	77	0
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	48	26	8	9	9
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	79	79	23	44	12

31 मार्च, 2017 के अनुसार विद्युत मंत्रालय तथा उसके अधीनस्थ उपक्रमों में हिंदी पदों की स्थिति

क्र.सं.	कार्यालय का नाम तथा उसमें हिंदी के पद	मुख्यालय में पदों की संख्या			संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों में पदों की संख्या		
		स्वीकृत	रिक्त	कब से रिक्त हैं	स्वीकृत	रिक्त	कब से रिक्त हैं
1	2	3	4	5	6	7	8
	'क' क्षेत्र में स्थित						
1.	विद्युत मंत्रालय	08	01	1.3.2012	06	02	22.2.15 17.4.15
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	6	2	22.2.2015 17.4.2015	-	-	-
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	1	1	-	-	-	-
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	02	01	28.01.2014	-	-	-
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	4	0	-	35	0	-
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	13	0	-	44	0	-
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	5	0	-	20	0	-
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	7	1	-	-	-	-
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	05	01	1.7.2014	0	0	0
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	6	0	-	7	0	-
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	4	0	-	6	0	-
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	-	-	-	-	-	-
	'ख' क्षेत्र में स्थित						
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	08	0	-	56	15	लगभग 7 वर्ष
	'ग' क्षेत्र में स्थित						
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	02	0	-	08	0	-
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	6	0	-	12	1	1.7.2016
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	4	0	-	1	0	-

31 मार्च, 2017 के अनुसार वेबसाइट का द्विभाषीकरण और उस पर हिंदी में उपलब्ध कराई गई जानकारी

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	क्या बेवसाइट पूरी तरह द्विभाषी है
1	2	3
	'क' क्षेत्र में स्थित	**लक्ष्य - 100% द्विभाषी**
1.	विद्युत मंत्रालय	**जी हाँ**
2.	केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, दिल्ली	**आंशिक रूप से**
3.	केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, दिल्ली	**जी हाँ**
4.	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली	**जी हाँ**
5.	एनटीपीसी लि., दिल्ली	**जी हाँ**
6.	एनएचपीसी लि., फरीदाबाद	**जी हाँ**
7.	पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., गुड़गांव	**जी हाँ**
8.	पावर फाइनेंस कारपोरेशन, नई दिल्ली	**जी हाँ**
9.	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली	**जी हाँ**
10.	एसजेवीएन लि., शिमला	**जी हाँ**
11.	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी	**जी हाँ**
12.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, दिल्ली	**जी हाँ**
	'ख' क्षेत्र में स्थित	
13.	भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, चंडीगढ	**जी हाँ**
	'ग' क्षेत्र में स्थित	
14.	दामोदर घाटी निगम, कोलकाता	**जी हाँ**
15.	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, शिलांग	**जी हाँ**
16.	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू	**जी हाँ**